

प्रेषक,

डी0के0कोटिया,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

राज्य परियोजना निदेशक,
उत्तराखण्ड सभी के लिय शिक्षा परिषद्,
मयूर विहार, देहरादून।

शिक्षा अनुभाग-1(बेसिक):

देहरादून:

दिनांक:

17 जुलाई, 2007

विषय:- वित्तीय वर्ष 2007-08 के 04 माह (अप्रैल, 2007 से जुलाई, 2007 तक)
के वेतनादि भुगतान हेतु धनराशि अवमुक्त किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-255/XXXVII(1)/2007, दिनांक 26.03.2007 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु (अप्रैल, 2007 से जुलाई, 2007 तक) बेसिक शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं पर व्यय हेतु संलग्नक में उल्लिखित विवरणानुसार आयोजनागत पक्ष में रु0 324150 हजार (रुपये बत्तीस करोड़ इकचालीस लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ आपके निर्वर्तन पर रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं कि आहरण वितरण अधिकारी बचनबद्ध मदों पर ही व्यय करेंगे। उक्त मदों से भिन्न मदों से व्यय हेतु धनराशि का आहरण के प्रस्ताव पूर्ण औचित्य के साथ स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किये जायेंगे।

2. स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय केवल चालू योजनाओं पर ही नियोजन विभाग द्वारा आवंटित परिव्यय की सीमा तक ही किया जायेगा और किसी भी दशा में इस धनराशि का उपयोग चालू वित्तीय वर्ष की नई मदों के कार्यान्वयन हेतु नहीं किया जायेगा। उक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/शासनादेशों के तहत निम्नलिखित शर्तों के अधीन किया जायेगा:-

- (1) योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों/आदेशों के अनुरूप ही किया जायेगा तथा जहाँ आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति/सहमति प्राप्त की जायेगी।
- (2) यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुवल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।
- (3) अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वित्तीय वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।
- (4) आवंटनों के अनुसार आहरित व्यय के विवरण निर्धारित तिथि तक शासन को अवश्य उपलब्ध करा दिये जाय। इसी प्रकार व्यय के संबंध में व्याधिक्य एवं बचतों के विवरण शासन की निर्धारित अवधि के अन्दर उपलब्ध करा दिये जाय।
- (5) मितव्ययता के संबंध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से पालन किया जायेगा।
- (6) व्यय संबंधी जो भी बिल कोषाधिकारी को भुगतान हेतु प्रस्तुत किये जाये। उसमें लेखाशीर्षक के साथ-साथ अनुदान संख्या का भी उल्लेख किया जाय।
- (7) अवशेष धनराशि की जिलावार फॉट एवं अनुदान संबंधी योजनाओं के गत वर्ष स्वीकृत धनराशि के उपयोगिता प्रमाण पत्र इसी माह के अन्त तक शासन को प्रस्तुत कर दिये जाये, तभी अवशेष धनराशि की स्वीकृत निर्गत किया जाना सम्भव होगा।
- (8) स्वीकृत धनराशि की जिलावार फॉट संबंधित जिलों एवं शासन को तीन दिन के भीतर उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।

3. भारत सरकार से संबंधित योजनाओं में व्यय की स्वीकृति वित्त विभाग की सहमति से तभी प्रदान की जायेगी जब भारत सरकार से धनराशि के विषय में औपचारिक स्वीकृति प्राप्त हो जाय।

4. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखाशीर्षक-2202-01-प्रारम्भिक शिक्षा के अधीन संलग्नक में उल्लिखित संबंधित व्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा।

5. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-183(पी)/वित्त अनुभाग-3/2007, दिनांक 11.07.2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक:-यथोपरि।

भवदीय,

(डी०के०कोटिया)
सचिव।

संख्या व दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
3. समस्त अपर जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक), उत्तराखण्ड (राज्य परियोजना निदेशक के माध्यम से)।
4. वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड सचिवालय।
5. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादून।
6. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(संजीव कुमार शर्मा)
अनुसचिव।

(धनराशि हजार रुपये में)

लेखाशीर्षक	आयोजनागत
राजस्व लेखा	
2202-सामान्य शिक्षा	
01-प्रारम्भिक शिक्षा	
101-राजकीय प्राथमिक विद्यालय	
01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनाएँ	
0102-विद्यालयों में पका-पकाया भोजन उपलब्ध कराया जाना	
20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	138000
योग-101	138000
102-अराजकीय प्राथमिक विद्यालयों को सहायता	
01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनायें	
0101-राष्ट्रीय साक्षरता कार्यक्रम (2/3 केन्द्र पोषित)	
20- सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	990
योग-102	990
800-अन्य व्यय	
01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र पुरोनिधानित योजनायें	
0104-सर्व शिक्षा अभियान (25 प्रतिशत राज्यांश)	
20- सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	185160
योग-800	185160
महायोग-	324150

(रुपये बत्तीस करोड़ इकचालीस लाख पचास हजार मात्र)

(संजीव कुमार शर्मा)
अनुसचिव।